राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच

सातवीं वार्षिक आम सभा, चेन्नई

अप्रैल ३०- मई १, २०२२

<u>प्रस्ताव</u>

एक भारत! आत्मनिर्भर भारत! श्रेष्ठ भारत!

वर्तमान सरकार 'आत्मनिर्भर भारत' के अपने महत्वाकांक्षी आंदोलन को पूरी तन्मयता से आगे बढ़ा रही है, जिसमें भारत को मजबूत करने के पांच स्तंभ शामिल हैं, लेकिन यहीं तक सीमित नहीं है - प्रतिकूलता को लाभ में बदलने के लिए एक सशक्त अर्थव्यवस्था, भारत को एक नई पहचान देने के लिए उन्नत बुनियादी ढांचा, शासन की एक आधुनिक प्रणाली, एक लोकतंत्र और बाजार में समग्र मांग का निर्माण।

सभी क्षेत्रों में साहसिक सुधार निस्संदेह देश के आत्मनिर्भरता पर जोर देंगे। हालाँकि, विकास को बढ़ावा देने और एक वास्तविक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए, 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को समझने और लागू करने की आवश्यकता है।

आत्मनिर्भर होने का असली महत्व हमें तभी पता चलेगा जब हम अपनी क्षमता का पता लगाएंगे: हमें अपने अपने भीतर की शक्तियों को महसूस करना और प्रकट करना चाहिए, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों, हमारी पारंपरिक विरासत और हमारी भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का समावेश है ।

भारत के लोगों को अपने कौशल, रचनात्मकता और अखंडता के माध्यम से दुनिया पर एक छाप छोड़ने के लिए अपनी परंपराओं और अपनी सामूहिक क्षमताओं में विश्वास पैदा करना चाहिए। उन्हें विदेशी उपनिवेशको और उत्पादों पर निर्भर रहने के बजाय स्वदेशी उत्पादों और सेवाओं पर विश्वास करना चाहिए और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए।

आत्मनिर्भर भारत के आंदोलन को गति प्रदान करने के लिए नागरिकों को सद्भाव प्रेम से रहना चाहिए और एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए। यह आंदोलन लोगों का, लोगों के लिए और लोगों द्वारा है। हमें यह समझना चाहिए कि हमारा जीवन हमारे राष्ट्र के विकास से जुड़ा है। महात्मा गांधी ने ठीक ही कहा है: "अपने जीवन में कुछ परिवर्तन को लाएं जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।" बीसवीं सदी में हमारे देश में पूरी दुनिया के लिए परिवर्तन के मार्ग का नेतृत्व करने की क्षमता है।

'मेक इन इंडिया' ने इस बदलाव के लिए पहले ही मंच तैयार कर दिया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस नारे को पूरी दुनिया में प्रचारित करने की पहल की है। 'मेक इन इंडिया' राष्ट्रीय विकास के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति का नया सूत्र है। COVID-19 महामारी के कारण हुई तबाही ने हमें पहले ही सामाजिक एकीकरण और आत्मनिर्भरता के महत्व का एहसास करा दिया है। अनेक बाधाओं के बावजूद, हम रिकॉर्ड समय में COVID वैक्सीन विकसित करने में सफल रहे, जिसने हमारे देश और दुनिया के लोगों को आशा दी।

भारत पारंपरिक रूप से सामाजिक मूल्यों और इंसानियत के विचार पर आधारित देश है: रिश्तेदारी, दोस्ती और मानवता के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता की धारणा हमें एक दूसरे से जोड़ती है। इसके विपरीत, बाजार संचालित संस्कृति और आधुनिकतावाद के बढ़ते प्रभाव के कारण भारत पिछले कुछ दशकों में विदेशी बाजारों और उत्पादों पर निर्भर हो गया है।

इसलिए अब समय आ गया है कि हम आधुनिकता के नाम पर विदेशी उत्पादों और सेवाओं पर अपनी निर्भरता कम करें। हमें स्वदेशी उत्पादों का समर्थन और प्रचार करना चाहिए। हमारे सामूहिक प्रयास भारतीय किसानों, निर्माताओं और श्रमिकों को प्रोत्साहित और प्रेरित करेंगे। हमें सभी क्षेत्रों में दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए। एक सदी पहले, श्री अरबिंदो ने अपनी पुस्तक "भारत में नवजागरण" (द रेनेसां इन इंडिया) में भारत के भविष्य की सही कल्पना की थी: "कुल मिलाकर हम जो देखते हैं वह एक विशाल शक्ति है जो एक नई दुनिया, एक नए और विदेशी वातावरण में जागती है, अपने आप को सभी तरह के बेड़ियों में जकड़ी हुई पाती है। . . वह तैयार है पूरे विश्व पर अपनी अमिट छाप छोड़ने के लिए।" अपने नव-स्वदेशी आंदोलन के माध्यम से, भारत अब अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास करने के लिए और एक नई यात्रा शुरू करने के लिए तैयार है। व्यक्तिगत उपलब्धि की प्राप्ति भी राष्ट्रीय एकता और मानव जाति की व्यापक भलाई के लिए कल्याण का एक साधन है।

आत्मनिर्भरता का विचार सिर्फ स्वदेशी निर्माण के क्षेत्र से संबंधित नहीं है। इसका संबंध सामाजिक विकास से भी है। उदाहरण के लिए, आत्मनिर्भरता आम जनता के लिए रोजगार पैदा करने में भी मदद करती है, भविष्य के नागरिकों के उत्थान के लिए स्कूलों और कॉलेजों जैसे शैक्षणिक संस्थानों के विकास का समर्थन करती है, सामाजिक विभाजन को मिटाती है और नागरिकों, विशेष रूप से वंचित और हाशिए पर रहने वाले लोगों की भलाई सुनिश्चित करती है उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाकर ।

हमारे लोकतंत्र को आत्मनिर्भर और जीवंत बनाने वाले समाज के सभी क्षेत्रों में समानता के विचार को कायम रखते हुए भारतीय लोकाचार की रक्षा करना समय की मांग है। भारत को समतामूलक समाज बनाने की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयास होने चाहिए।

रूस और यूक्रेन के बीच मौजूदा संघर्ष के विश्वव्यापी प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इस संघर्ष ने 'एक भारत आत्मानबीर भरत! श्रेष्ठ भारत' अभियान के महत्व और आवश्यकता पर जोर दिया है ।

संकल्प

FANS निम्नलिखित संकल्पों के द्वारा सभी भारत वासियों से अपने देश को आत्मनिर्भर बनाने और 'एक भारत आत्मनिर्भर भारत **श्रेष्ठ भारत**'आंदोलन को साकार बनाने के लिए आप सभी से अपील करता है क्योंकि यह आंदोलन हमारे देश को विश्व पटल पर एक नई पहचान दिला सकता है।

1. वैश्वीकरण की अनिश्चितता में, हमें प्रधान मंत्री मोदी द्वारा उल्लिखित 'लोकल फॉर वोकल' के सिद्धांत को साकार करने की दिशा में MSME (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग) की रक्षा और बढ़ावा देना चाहिए।

2. हमें भारत की समृद्ध जैव विविधता और इसकी स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और पारंपरिक चिकित्सा की रक्षा के लिए व्यापक कानून और कानूनी प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता है।

3. हमें देश भर में जैव-चोरी के मुद्दों के कारण विभिन्न स्थानीय समुदायों के कष्टों के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करनी चाहिए।

4. हमें आयुर्वेद और योग की भारत की प्राचीन प्रथाओं की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करना चाहिए, क्योंकि यह ज्ञान और इसका अभ्यास लोगों को स्वस्थ जीवन शैली जीने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के विचार को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाकर भारत पहले ही दुनिया में अग्रणी स्थान हासिल कर चुका है।

5. हमें पानी की कमी और लगातार सूखे को दूर करने के लिए पारंपरिक जल संचयन प्रणालियों के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्थानीय समुदायों को बेहतर और टिकाऊ जल प्रबंधन प्रणालियों में शामिल किया जाए।

6. भारत में सतत विकास लाने के लिए, हमें एक व्यापक शिक्षा मॉडल पर जोर देने की जरूरत है जहां व्यावसायिक शिक्षा को आधुनिक शिक्षा के साथ समान महत्व दिया जाना चाहिए। यह व्यक्ति को सामाजिक वास्तविकताओं को समझने और आर्थिक विकास के ढांचे के भीतर अपनी क्षमता का एहसास करने के लिए तैयार करता है।